

**हाकिनी स्त्री.** (तत्.) तंत्रशास्त्र में उक्त एक देवी का नाम टि. तंत्र में शाकिनी, हाकिनी और डाकिनी आदि देवियों का उल्लेख है।

**हाकिम पुं.** (अर.) हुकम देने वाला, हुकूमत करने वाला, अधिकारी, स्वामी।

**हाकिमाना वि.** (अर.) हाकिम जैसा, दे. हाकिम।

**हाकिमी स्त्री.** (अर.) अधिकार, हुकूमत **वि.** हाकिम जैसा।

**हाकी पुं.** (अं.) एक खेल जिसमें मुड़े हुए डंडे (स्टिक) की सहायता से गेंद को गोल में पहुँचाया जाता है, खेल में दो दल होते हैं तथा प्रत्येक दल में 11-11 खिलाड़ी होते हैं जिनमें से एक-एक गोलरक्षक होता है।

**हाकी-बाकी वि.स्त्री.** (देश.) हक्की-बक्की, स्तब्ध, चकित उदा. हाकी बाकी रहि गई, ना कछु पिवै न खाइ -सुंदर ग्रंथ।

**हाजत स्त्री.** (अर.) 1. इच्छा, चाहत 2. मनोकामना 3. आवश्यकता 4. शौच आदि का वेग।

**हाजमा पुं.** (अर.) हजम करने या पचाने की शक्ति, पाचन शक्ति।

**हाजरियो पुं.** (अर.) सदा हाजिर रहने वाला सेवक **वि.** राजस्थानी बोली में इस शब्द का प्रयोग होता है।

**हाजरी पुं.** दे. हाजिरी।

**हाजिक वि.** (अर.) निपुण, कुशल; पंडित।

**हाजिम वि.** (अर.) हजम करने वाला।

**हाजिर वि.** (अर.) उपस्थित, मौजूद, प्रस्तुत, तैयार।

**हाज़िर जवाब वि.** (फा.) वह जो किसी भी बात का तुरंत उत्तर दे सके, जिसे फौरन उत्तर सूझ जाए।

**हाज़िर-नाज़िर वि.** (फा.) हाजिर होकर पूरी घटना को देखने वाला, प्रत्यक्षदर्शी।

**हाज़िरी स्त्री.** (फा.) उपस्थिति, मौजूदगी, सुबह का खाना (अंग्रेजों का), मृत व्यक्ति के घर भेजा जाने वाला खाना।

**हाज़िरी बही स्त्री.** (फा.+तद्. वाही) वह बही या पंजी जिसमें उपस्थिति का ब्यौरा दर्ज होता है।

**हाजी वि.** (अर.) वह जो हज-यात्रा (मुसलमानों की धार्मिक यात्रा) कर चुका हो।

**हाट पुं.** (तद्.) 1. दुकान 2. बाजार 3. बाजार लगने का दिन।

**हाटक पुं.** (तत्.) 1. स्वर्ण, सोना 2. धतूरा 3. दूकान का किराया उदा. आयौ घोष बड़ौ व्यौपारी फाटक दैके हाटक माँगत, समुझत निपट अनारी -सूर।

**हाटक-घटित वि.** (तत्.) स्वर्ण-निर्मित, सोने से बना।

**हाटक पुर पुं.** (तत्.) लंकानगरी, जो सोने की बनी कही जाती थी उदा. लांघिसिंधु हाटकपुर जारा -मानस।

**हाटक-लोचन पुं.** (तत्.) हिरण्याक्ष नामक राक्षस।

**हाटकी स्त्री.** (तत्.) पुराणों में वर्णित पाताललोक की एक नदी।

**हाटकीय वि.** (तत्.) सोने से बना।

**हाटकेश पुं.** (तत्.) महाराष्ट्र में गोदावरी नदी के तट पर स्थित शिव का विग्रह, प्रसिद्ध शिवलिंग।

**हाड़ पुं.** (तद्.) हड्डी, अस्थि।

**हाड़ा पुं.** (देश.) राजस्थान की एक क्षत्रिय जाति।

**हाड़ी स्त्री.** (देश.) 1. हाड़ा जाति की महिला 2. ऊखल 3. एक उड़ने वाला कीट, बर्, भिड़ 4. डाकू।

**हात वि.** (तत्.) त्यक्त, त्यागा हुआ, छोड़ा हुआ पुं. (तद्.) हाथ।

**हातना स.क्रि.** (तद्.) त्यागना, दूर करना, हटाना **स.क्रि.** (देश) 1. मारना, पीटना, तोड़ना 2. आज्ञा का उल्लंघन करना।

**हातव्य वि.** (तत्.) छोड़ देने योग्य, त्याज्य।

**हाता वि.** (तत्.) 1. हरण करने वाला, हर्ता 2. नाशक 3. मारने वाला 4. दूर किया हुआ,